

खबर संक्षेप

सुदेश नामदेव प्रकृतिक खेती जिला प्रमुख बने, कार्यकर्ताओं में हर्ष



अनियमितताओं के चलते दो दुकानों को किया सील एफआईआर की मांग

लंबे समय से टग रहे थे किसानों को

*** कृषि जांच दल ने पकड़ी गड़बड़ियां।**

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

कृषि विभाग के जांच दल ने नगर मुख्यालय की दो दुकानों को सील कर दिया है। माँ रेवा कृषि केन्द्र सब्जी मंडी और किसान बीज भंडार जवाहर गंज मंडला की दुकानों को सील करते हुए चस्पा किया है। यह कार्यवाही 4 अगस्त को औचक निरीक्षण के दौरान किसान बीज भंडार में अनियमितताएँ के आधार पर की गई है। कार्यवाही से कृषि बीज भंडार संचालकों में अफरा तफरी मच गई है। बता दें कि माँ रेवा कृषि केन्द्र और किसान बीज भंडार में किसानों को अनेक तरह से लूटा जा रहा था महंगे दामों में दवा कीटनाशक बीज बेचा जा रहा था तो दूसरी तरफ रिकार्डों के संधारण में भी लापरवाही बरती गई है। कई कम्पनियों के पीसी भी इनके पास नहीं मिले हैं। कुल मिलाकर किसानों को घंटिया सामग्री टिकाकर महंगी कीमत वसूली जा रही थी यही नहीं इन दुकानों के गोदामों की जांच न होने से कृषि विभाग के जांच दल पर सवाल भी खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार माँ रेवा कृषि केन्द्र की गोदाम में अनेक कृषि सामग्री का भंडार है। जिसके बिल बाऊचर और दस्तावेजों में कमियां हैं। वहीं किसान बीज भंडार के संचालक द्वारा घर में भी कृषि सामग्री का भंडारण किया गया है। सुत्रों का यह भी कहना है कि दोनों दुकानदार



दुकान सील होने के बाद गोदाम और घर से किसानों को माल बेच रहे हैं। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में थोक सप्लाई किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। वहीं सील बंद दुकानों के सामने इनके कर्मचारी दिनभर डटे रहते हैं। जो किसान और छोटे व्यापारियों के पहुंचने पर इन्हें संचालक के घर और गोदाम तक ले जाया करते हैं जो कि नियम विरुद्ध है कृषि विभाग के अधिकारी ठोस कार्यवाही नहीं कर पाए हैं वहीं अब तक इन संचालकों की एफआईआर भी नहीं हो पाई है। जब नगर मुख्यालय की दुकानों के ये हाल हैं तो आसपास के ग्रामीण अंचलों के हालात क्या होंगे। खरीफ फसल की तैयारी में जुटा किसान अब कृषि सेवा केन्द्रों के चक्कर लगा रहा है। जहां पर अच्छी किस्म के बीज और कीटनाशक को वह तालाश रहा है। किसानों बताया कि बाजार में नकली बीज कीटनाशक दवा का भंडार दिखाई दे रहा है। आधुनिक पैकिंग में बेचे जा रही इन सामग्रियों

की गुणवत्ता पर सवाल है। गरीब अशिक्षित किसान दुकानदारों की बातों में आकर घंटिया बीज खरीद रहे हैं। किसानों का आरोप है कि कई दुकानों पर अमानक बीज, कीटनाशक और खरपतवार नाशक दवाओं की बिक्री घड़ल्ले से की जा रही है। घंटिया अथवा नकली कृषि सामग्री के इस्तेमाल से किसानों की मेहनत और लागत दोनों पर पानी फिरने का खतरा बना हुआ है वहीं फसल प्रभावित होने की स्थिति में किसान दोहरी मार झेलने को मजबूर हैं सबसे बड़ा सवाल कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है। खाद बीज कीटनाशक और खेती से जुड़ी अन्य जरूरी सामग्री के दाम तथा गुणवत्ता को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ रही है सरकार किसानों के हित में बड़े-बड़े दावे और योजनाएं चला रही है लेकिन जमीनी हकीकत में किसानों को राहत के बजाय परेशानी मिल रही है जिन दुकान गोदामों को पिछले वर्ष शील किया गया था। उन दुकानों को फिर से अनुमति कर दी



गई है। कितना स्टॉक कौन सी कम्पनी का किसके पास है इसका कोई भी रिकॉर्ड संधारण नहीं है। जबकि पिछले वर्ष नैनपुर क्षेत्र में घंटिया धान बीज बनाते एक फैक्ट्री भी पकड़ी गई थी इसके बाद भी कोई सुधार नहीं हो पाया है भले ही कृषि विभाग के अधिकारी दौरा आदि कर निरीक्षण की बात करते हो लेकिन किसानों को सब पता है कि किस तरह उन्हें ठगा जा रहा है। वर्ष 2026-27 में जिले में लगभग 2.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुवाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए किसानों को समय पर कृषि आदानों की उपलब्धता तकनीकी मार्गदर्शन तथा कृषि सेवा केंद्रों की नियमित निगरानी सुनिश्चित के निर्देश शासन ने दिए हुए हैं। किसानों के हितों की रक्षा और कृषि आदानों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिलेभर में औचक निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है लेकिन ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है। भले ही आगामी खरीफ सीजन 2026-27 को ध्यान में रखते हुए किसानों को

गुणवत्तापूर्ण खाद बीज एवं कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग ने जिले में सघन निरीक्षण अभियान शुरू कर दिया है। विभिन्न कृषि सेवा केंद्रों एवं बीज विक्रेताओं के यहां औचक निरीक्षण कर कृषि आदानों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता की जांच की गई हो लेकिन किसानों को कोई राहत नहीं मिल पाई है। अधिकारी निरीक्षण कर रहे हैं और विक्रेताओं के स्टॉक विक्रय अभिलेख, भंडारण व्यवस्था एवं बिल-बुक का बारीकी से परीक्षण भी हो रहा है।

इनका कहना-

अनियमितताओं की शिकायत पर जांच की गई थी जहां पर रिकार्डों के संधारण सहित अन्य लापरवाही सामने आई है दोनों दुकानों को सील कर दिया गया है। गोदामों की जांच के लिए एसडीओ को निर्देश दे रहा हूं।

अधनी झारिया,

उपसंचालक कृषि विभाग मंडला

बाघ के हमले में ग्रामीण घायल



*** वन विभाग ने तत्काल अस्पताल पहुंचाकर कराया उपचार।**

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

दिनांक 07 अगस्त 2026 को प्रातः लगभग 08:30 बजे राजकुमार, उम्र लगभग 35 वर्ष, निवासी ग्राम मालखेड़ी, पोस्ट कलेगांव, तहसील परसवाड़ा, के बाघ के हमले में घायल होने की सूचना वन विभाग को प्राप्त हुई। प्रात जानकारी के अनुसार श्री राजकुमार अपने खेत से लगे कोर वन क्षेत्र में गए थे। इसी दौरान बाघ द्वारा उन पर हमला किया गया, जिससे उनके दोनों हाथों एवं चेहरे पर चोटें आईं। घटना की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा आवश्यक कार्रवाई करते हुए घायल श्री राजकुमार को विभागीय वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया, जहां उन्हें उपचार हेतु भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में वन विभाग

द्वारा आवश्यक जानकारी एवं साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है। साथ ही, क्षेत्र में बाघ की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी गई है तथा मैदानी अमलें को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों से अपील की गई है कि कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर वन क्षेत्र में बिना अनुमति प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित है। अतः ग्रामीणजन कोर क्षेत्र में प्रवेश न करें। इसके अतिरिक्त, बफर क्षेत्र के वन क्षेत्रों में भी अकेले प्रवेश करने से बचें तथा बाघ की उपस्थिति वाले क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतें। यदि किसी क्षेत्र में बाघ की उपस्थिति की जानकारी प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दें, ताकि आवश्यक सुरक्षा एवं निगरानी संबंधी कार्रवाई की जा सके। मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व को कम करने तथा ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा आवश्यक सुरक्षात्मक एवं निगरानी संबंधी उपाय लगातार किए जा रहे हैं।

आरबीआई की 'मनीवाइज वित्तीय साक्षरता योजना' के तहत मंडला के विभिन्न ग्रामों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मण्डला। भारतीय रिजर्व बैंक की परियोजना के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित 'मनीवाइज' समर्पित वित्तीय साक्षरता केंद्र मंडला द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम नैनपुर, मंडला, मोहगांव और बिछिया विकासखंड की ग्राम पंचायतों में संपन्न हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को आधुनिक बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेन-देन, सरकारी योजनाओं और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा। ग्रामीणों को पुनः केवाईसी तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, डिजिटल लेन-देन तथा ग्राहक पहचान प्रक्रिया एवं बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। ग्रामीणों को यूपीआई एवं ऑनलाइन बैंकिंग के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल भुगतान करते समय बरती जाने वाली सावधानियों तथा बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की पात्रता और लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में भी समझाया गया। अभियान को सफल बनाने में मनीवाइज वित्तीय साक्षरता केंद्र के ब्लॉक काउंसलर शिवप्रसाद नंदा, मनीष सिंगोर, नाजिम शाही एवं श्रीमती स्वाति सोनी ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का मार्गदर्शन क्षेत्रीय अधिकारी श्रीमती लक्ष्मी पटेल द्वारा किया गया।

नैनपुर में विकासखण्ड स्तरीय प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यशाला

*** जन कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर दिया जोर।**

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नैनपुर द्वारा जनपद पंचायत सभाकक्ष में विकासखण्ड स्तरीय प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ओमवती उईके ने कहा कि समितियों द्वारा शासन की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों को जागरूक करने का कार्य सराहनीय है। समाजसेवी श्रीमती सरस्वती दुबे ने समितियों को मजबूत कर नशामुक्ति, वृक्षारोपण और जल



संरक्षण जैसे अभियानों में सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यशाला में जिला समन्वयक सुशील बर्मन ने प्रस्फुटन समिति और नवांकुर संस्था द्वारा ग्राम स्तर पर किए जाने वाले कार्यों, दस्तावेजीकरण और आगामी कार्ययोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। स्वागत भाषण विकासखंड समन्वयक श्रीमती

सीता उईके ने दिया, जबकि संचालन परामर्शदाता संतोष भांवरे ने किया। कार्यक्रम में सेक्टर स्तरीय नवांकुर संस्था पदाधिकारी, ग्राम एवं नगर विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य, समाज कार्य के छात्र-छात्राएं सहित परामर्शदाता श्री सुभाष बंशकार, अशोक जंघेला, राजाजाम जंघेला और सुधीर बंदेवार उपस्थित रहे।

आदिवासी दिवस	विधि-विधान से पूजा के उपरांत निकली रैली।
--------------	--

जय सेवा-जय जोहार के नारों से गूंजा बम्हनी

*** जगह-जगह दिल्ली गौड़ी संस्कृति की झलक।**

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला/बम्हनीबंजर

विश्व आदिवासी दिवस रविवार को हवेली क्षेत्र में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आदिवासी समाज के लोग रैली के रूप में बम्हनी पहुंचे।

टिकरी में विधि-विधान पूर्वक बृहदेव और देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद बड़ी संख्या में समाजजन एकत्रित



हुए। टिकरी से निकली रैली डीजे की धुन पर सांस्कृतिक नृत्य करती हुई शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी और पुनः टिकरी पर आकर समाप्त हुई।

संस्कृति की झलक, शिक्षा पर दिया जोर

मंचीय कार्यक्रम में युवाओं और बालिकाओं ने लोकगीत और

पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाई। पारंपरिक गीतों की धुन पर युवाओं ने जमकर नृत्य किया और रजय सेवा-जय जोहार के नारे लगाए। इस बार ग्राम बरबसपुर से भी रैली पहुंची, जिसका मंच से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने समाज से अपील की कि बालिकाओं को अच्छी शिक्षा दिलाई जाए। वक्ताओं ने कहा कि अपने हक की लड़ाई के लिए समाज को हमेशा सजग रहना होगा। आदिवासी हितों की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर आगे आना होगा। हर परिवार को बालिकाओं की शिक्षा पर

विशेष ध्यान देना होगा। सांस्कृतिक प्रस्तुति के दौरान पूरा क्षेत्र आदिवासी रंग में रंगा नजर आया।

पुलिस प्रशासन की अंनदेखी से हवेली में लगा जाम

वहीं कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था चरमराने को लेकर लोगों में नाराजगी देखी गई। हवेली क्षेत्र कई गांवों का केंद्र है। धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में यहां भारी भीड़ जुटती है, लेकिन पुलिस प्रशासन यातायात को व्यवस्थित नहीं कर पाता।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान भी डंपर जैसे भारी वाहन मुख्य मार्ग से बेधड़क निकलते रहे। मार्ग पहले से ही संकरा है। पुलिसकर्मी मौजूद रहने के बावजूद व्यवस्था बनाने में नाकाम रहे। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है? वक्ताओं ने कहा कि लोगों ने मांग की है कि आगे से ऐसे आयोजनों के दौरान भारी वाहनों की आवाजाही रोकी जाए और पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर यातायात सुचारू किया जाए।

मंडला में अनाविप महाकौशल प्रांत की प्रांत कार्यसमिति बैठक संपन्न

*** राष्ट्रीय शिक्षा नीति और युवा विकास पर बनी आगामी कार्य योजना।**

हरिभूमि न्यूज ►► मण्डला

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (ABVP), महाकौशल प्रांत की दो दिवसीय प्रांत कार्यसमिति बैठक मंडला में सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। 7 और 8 अगस्त को आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के शीर्ष नेतृत्व और प्रांत के प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में 27 जिले के प्रमुख कार्यकर्ता सम्मिलित हुए वा बैठक में मुख्य रूप से एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुराज किशोर तिवारी, मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतसु सुखाड़िया, प्रांत अध्यक्ष डॉ. सुनील पांडे, प्रांत मंत्री सुब्रत बाइल एवं प्रांत संपादन मंत्री श्री मनोज यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दो दिवसीय इस बैठक के दौरान विभिन्न सत्रों के माध्यम से वर्तमान शैक्षणिक व सामाजिक परिदृश्य पर गहन मंथन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित विषयों



पर विस्तृत चर्चा कर आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। संगठनात्मक विस्तार और कार्य विकास: महाकौशल प्रांत में संगठन की शक्ति को जमीनी स्तर तक बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के कौशल विकास पर रणनीति बनाई गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) का क्रियान्वयन: शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने और इसके सकारात्मक परिणामों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने की दिशा में प्रयासों को तेज करने का संकल्प लिया गया।शैक्षणिक स्थिति और नए परिपदों के विषय: नए परिषद (यूनिट्स) खुलने से उत्पन्न हुए विभिन्न विषयों व

व्यावहारिक समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु ठोस प्रयास करने पर सहमति बनी। स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम: युवाओं में बढ़ती डिजिटल निर्भरता को कम करने के लिए 'स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम' अभियान पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत छात्र-छात्राओं को मैदान पर रचनात्मक व खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए आगामी दिनों में विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस को लेकर एक गांव एक तिरंगा अभियान,वंदे मातरम् 150 वे वर्ष पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने ले लिये योजना बनाई गई।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुराज किशोर तिवारी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद् सदैव छात्र हितों और राष्ट्र निर्माण के लिए अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। इस कार्यसमिति में तय किए गए विषय आगामी समय में महाकौशल प्रांत के शैक्षणिक और छात्र परिदृश्य को एक नई व सकारात्मक दिशा देंगे।



खबर संक्षेप

दम तोड़ रही युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं, बैकों में जाकर अटक रही फाईल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश की सरकार द्वारा शिक्षित बेरोजगारो को रोजगार मुहैया कराने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि यह योजनाएं बैंको की मनमानी के चलते दम तोड़ रही है? गौर किया जावे तो अनेक रोजगार मूलक योजनाओं के आंकड़े बेहद चौकाने वाले है जो हर वर्ष बैंको की हठधर्मी की वजह से योजनाओं के लक्ष्य की पूर्ति नही हो पा रही है? ऐसे में युवा की जिन्दगी संभालने के लिये चलाई जाने वाली

योजनाओं के नाम पर खुद को छला महसूस कर रहे है। स्वरोजगार पाने की खातिर अनेक युवा बैंको के चक्कर काट काट कर परेशान होकर थक गये है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो शिक्षित बेरोजगारो की उम्मीदे दम तोड़नें लगी है? बैंको द्वारा सहयोग नहीं किये जाने से विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत ऋण प्रकरणों में से आधे हितग्राही भी लाभान्वित नहीं हो पाते, बैंको में स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरण भेजने के बाद वहां से शिक्षित बेरोजगारो को ऋण मिलना टेडी खीर साबित हो रहा है? युवाओं द्वारा स्वरोजगार योजनाएं के लिए दिये गये आवेदन के संबंध में जब संबंधित अधिकारियों से चर्चा की जाती है तो वहां पर बताया जाता है कि उनके द्वारा प्रकरण तैयार करते हुए बैंकों में भेज दिया गया है, मगर बैंको में अधिकारी बात करने के लिए भी तैयार नही होते है, जिसके चलते प्रदेश की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं लगातार फेल होती हुए जान पड़ रही है? सही मायने में देखा जावे तो युवाओं को लेकर सरकार द्वारा योजनाये संचालित करते हुये उन्हें पैरों पर खड़े करने की बात तो कही जाती है मगर वह मात्र एक औपचारिका पूर्ण साबित होने से नही चूक पाती है।

केबिलों में आग लगने से रात रात भर अंधेरे में रहने मजबूर होते है लोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा आये दिन शहर हो या फिर गांव ऋजली बिलों की बसूली करने के नाम पर लोगों की लाईट काटने में देर नही की जाती है। मगर वही दूसरी ओर किसानों को अच्छी बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने के नाम पर देखा जावे तो बिजली विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के किसानों को प्रतिवर्ष लाखों रूपया की क्षति का सामना करने के साथ साथ अपनी जान तक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? यदि इस बात की सच्चाई पर गौर किया जावे तो ग्रामीण क्षेत्रों में शहर के अंदर बिजली की ज्वालों में केबिले जहां मकदू की छातों की तरह उलझी हुई नजर आने से नही चूक रही है तो गांवों में किसानों के खेतों से लेकर मुख्य मार्गों पर झुला के समान लटकते हुए बिजली तारों को देखा जावे तो वह खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि बिजली विभाग द्वारा वर्षो पुरानी बिजली लाईनों में किसी भी प्रकार का बदलाव नही किये जाने के कारण जहां उन लाईनों में तार टूटने के साथ साथ अन्य खराबियां होने के कारण किसानों को सप्लाई होने वाली बिजली में बाधित होना पड़ता है, वही आये दिन झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली चिंगारियों के चलते क्षेत्र के किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसले राख होते हुए देखी जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय ग्रामों के अंदर देखी जा रही है, जहां पर कुछ वर्ष पहले बिजली विभाग द्वारा तारों को निकलते हुये केबिल डाली गई है, मगर उसके रख रखाब में बरती जा रही उदासीनता का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि बारिश का मौसम शुरू होते ही बिजली खम्बो पर लगी हुई केबिल लाईनों में आये दिन फाल्ट बनने के कारण आग लगने से नही चूक रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस उस समय देखने मिली जब अचाकन दो खम्बों में लगी हुई केबिल में

अचाकन आग लग जाने के कारण पूरे क्षेत्र की की बिजली लाईन बंद होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा गया, वह तो अच्छा हुआ कि ग्राम के अंदर कोई बड़ी घटना घटित नही हुई।

मूसलाधार बारिश के बीच ट्रैक्टर की ओट में बैठकर अपनी खून पसीने की कमाई को बचाने में जुटा देश का अन्नदाता



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इन दिनों हो रही मूसलाधार बारिश के दौरान जहां लोगों को अपने घरों से निकलने में दहशत महसूस होते हुये देखी जा रही है। क्योंकि लगातार हो रही बारिश के चलते जहां चारो ओर पानी भरने के चलते खेत व खुले मैदानों में जहरीले कीड़े मकोड़े फ़कलते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर आसमान से चमकने वाली तेज कड़क व बिजली की दहशत निश्चित तौर लोगों को घरों के अंदर जाने के लिये मजबूर करते हुये देखी जा रही है। मगर लगातार हो रही बारिश और रात के समय घोर अंधियारे के बीच क्षेत्र का अन्नदाता खुले मैदान में वेयर हाऊसों के पास लाईनों में लगकर अपनी मूंग को सरक्षित करने में जुटा हुआ देखकर लोगों की आंखें नम होने से नही चूक पा रही है..? इतना ही नही जहां सरकार द्वारा आये दिन मंचों से यह बात कहते हुये सुना जाता है कि किसान देश की जान होते है और हमारी सरकार फ़सलों के हर स्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहने में पीछे नहीं रहेगी..? मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब फ़सलों की अपनी मूंग का विक्रय करने का समय आया था तो सरकार द्वारा किसानों की खून पसीने से सीचकर तैयार की गई



फसल को पूर्णरूप से खरीदने में की गई आनाकानी के चलते जहां अन्नदाता को सड़को पर उतरने के लिये मजबूर होना पड़ा था। इसके बाद सरकार द्वारा 60 प्रतिशत मूंग खरीदने का निर्णय लूया गया है। यदि यह निर्णय शुरू में ही ले लिया गया होता तो आज किसानों को अपनी जान दांव पर लगाते हुये परेशान न होना पड़ता और समय रहते हुये उनकी मूंग का विक्रय हो चुका होता है। इस तरह मजबूरी बस सरकार द्वारा लिये गये इस निर्णय के बाद प्रशासन तंत्र में बैठे हुये जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस तरह मूंग खरीदी केन्द्रो का निर्णय करने में कोताही बरती गई है उसके चलते जहां एक गांव के किसान को दूसरे गांव के बेयर हाऊसों पर अपनी मूंग विक्रय करने के लिये ले जाने में काफी परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर मूंग खरीदी केन्द्रो पर उचित व्यवस्थायें नही होने के चलते फ़सलों के ट्रैक्टर ट्राली जहां कीचड में फसने से नही चूक रहे है तो दूसरी ओर सड़क किनारे हव्नों से लाईन में खड़े रहने के चलते बारिश के बीच उनका हाल क्या हो रहा है इस सच्चाई को तो सिर्फ माटी पुत्र ही समझ सकते है..? बेयर हाऊसों के सामने बीते हुये एक एक हप्ते से लम्बी लाईनों में खड़ा होने के साथ इस समय चल रही मूसलाधार बारिश के बीच किसान बारिश से



बचने के लिये ट्रैक्टर ट्रालियों के नीचे बैठकर रात काटते हुये देखे जाने के बाद न तो उनकी खबर लेने के लिये कोई अधिकारी पहुंच रहे है और न ही कोई जिम्मेदार नेताओं को देखा जा रहा है। फ़क आखिर कार हमारे देश का अन्नदाता किस तरह अंधेरी रातों के बीच इस बारिश में किस तरह रात काटने के लिये मजबूर हो रहा है..? क्योंकि प्रशासन द्वारा मूंग खरीदी केन्द्र बनाने के लिये शुरूआत दौर में जिस तरह गफलतबाजी का खेल खेलते हुये चतुरंगी टीम के लिये लाभ पहुंचाने की सोच बनाई गई थी उसका परिणाम अब किसानों को भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। ज्ञात हो कि शासन द्वारा गर्मी सीजन में किसानों द्वारा पैदा की गई मूंग को समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिये पहले ही तारीख निर्धारि कर दी गई थी। मगर पहले सरकार द्वारा मात्र 25 प्रतिशत मूंग खरीदने के निर्णय से जहां किसानों में आक्रोश फैलने से नही चूका था और इसी के चलते अन्नदाताओं द्वारा ज़स तरह सरकार के निर्णय के खिलाफ प्रदेश क राजधानी पहुंचकर अपना मोर्चा खोला तो सत्ताधारी नेताओं की नींद गायब होने से नही चूक पाई थी। इसी के चलते सरकार द्वारा मूंग खरीदी के लिये निर्णय में 25 की जगह 60 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। मगर जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा मूंग खरीदी



शासन प्रशासन की गफलतबाजी का परिणाम भोगने मजबूर हुये क्षेत्र के किसान

खुलरी में पौने दो लाख से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण सहित किया भूमि पूजन

एक ही सुर में बोले विधायक व सांसद, गांव की जनता हमारे दिलों में बसती है...

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। विधान सभा क्षेत्र तेंदूखेडा की स्थिति इस तरह से बनी हुई है कि आधा क्षेत्र जहां गाडरवारा तसहील के अंतर्गत आता है तो आधा गाम तेंदूखेडा तहसील क्षेत्र में शामिल है। इस तरह दोनों तहसीलों के बीच बने हुये इस विधान सभा के गाम खुलरी में बीते हुये रविवार को क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल तथा क्षेत्र के सांसद चौधरी दर्शन सिंह द्वारा गाम खुलरी में पौने दो लाख से अधिक राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुये नये कार्यों के लिये भूमि पूजन किया गया। बताया जाता है िक गाम खुलरी में रविवार को विकास और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नर्मदापुरम-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने की गई। इस मौके पर अन्य अतिथियों के रूप में गाडरवारा क्षेत्र के भाजपा नेता व समाज सेवी मिलेन्द्र डावा, अवधेश प्रताप सिंह पटेल, राव वीरेंद्र सिंह, महेश मोदी, जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल, शिवदयाल खैरोनिया, रमाकांत शर्मा, अमोल यादव, सुदर्शन पेटिया, राजू पाली, बसंत पटेल, डालचंद पटेल, संतोष पटेल, मंडल अध्यक्ष प्रताप कौरव, बर्जत पटेल, ईश्वर गुर्जर, सोनू महाराज, सीमांत राजपूत, राजेंद्र पटेल, रूपम विश्वकर्मा, गिरधारी लाल वर्मा, गुंडू पटेल, ऋषि पचौरी, राव राजेंद्र सिंह, मुकेश पटेल, साहब सिंह बड़कुर्, मंडल महा मंत्री पंकज शर्मा, भोजराज पटेल, मनोज पाठक, सरपंच सुशीला बाई पटेल, उपसरपंच शिखा दुबे खना खान, रंजित कौरव तथा सभी कार्यकर्ता गण नागरिक बंधु मौजूद थे। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा क्षेत्र में विकास की गति को रफ्तार देते हुये गाम पंचायत खुलरी में 1 करोड़ 82 लाख 82 हजार रुपये की लागत के सिविल विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुये गामवासियो



को सौंपे गये तो नये विकास के लिये भूमिपूजन किया गया। साथ ही गाम को हरा-भरा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से 3,100 पौधों का पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि गाम खुलरी के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। गांव की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए सड़क,

अधोसंरचना, शिक्षा, पेयजल, स्वच्छता सहित जनहित से जुड़े कार्यों को गति दी जा रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि उसका लाभ गांव के प्रत्येक परिवार, किसान, युवा और जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना है। वहीं अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 1 करोड़ 82 लाख 82 हजार रुपये के विकास कार्य गाम पंचायत खुलरी के लिए विकास की नई दिशा तय करेंगे। इन कार्यों से गाामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और गांव के विकास को गति मिलेगी। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गांवों को सशक्त, सुविधायुक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इस प्रकार से क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा की गाम खुलरी से मुझे विशेष ही लगाव है। इस गांव के लोगों द्वारा जिस तरह से मुझे स्नेह मिलता है उनके स्नेह को मैं कभी नजर अंदाज नही कर सकता है और खुलरी के विकास के लिये सदा ही अगसर रहता हूं। इसके अलावा क्षेत्र के गांवों में जनसुविधाओं का विस्तार, मूलभूत अधोसंरचना का विकास और पर्यावरण संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी तथा क्षेत्र के प्रत्येक गांव को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ कार्यक्रम में 3,100 पौधों का पौधारोपण किया गया है। इस दौरान उन्होंने गाामीणों से पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस मौके पर कार्यक्रम में प्भारे हुये क्षेत्र के प्रतिनिधियों को गाम के जागरूक लोगों द्वारा बैक शाखा में एटीएम स्थापना की मांग करते हुये झ्ापन सौपा गया।

मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे खड़े रहने वाले बड़े वाहन बन रहे परेशानी का कारण



आम लोगों की जिन्दगी भी खतरे से खाली नही है? बताया जाता है कि नगर के समीप शांति दूत तिरहा के पास से लेकर कामती की ओर जाने वाले मार्ग पर बड़े वाहनों में ट्रक व डम्पर इस प्रकार से खड़े कर दिये जाते है जिसके चलते जग यहाँ से छोटे वाहनों व स्कूली बच्चों का निकलना होता है तो उन्हें आगे का मार्ग दिखाई ही नही पड़ता है। कुछ इसी प्रकार का हाल इस मार्ग पर साईंखड़ा की ओर जाते वक्त रास्ते में पड़ने वाले ढाबों के पास देखा जाता है जहां पर दिन दिन भर इन बड़े वाहन चालको द्वारा अपने वाहनों को सड़क के किनारे खड़ा करते हुए भोजन करने में लग जाते है और आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार से सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों की ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने से लग रहा है कि शायद प्रशासन द्वारा किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने का ईंतजार किया जा रहा हो? क्योंकि सड़को के किनारे ढाबाओं का संचालन करने वालो द्वारा अपने स्वार्थ के चलते कारोबार तो किया जा रहा है मगर उनके द्वारा इन वाहनों के पार्किंग हेतु कोई उचित व्यवस्था नही बनाई गई है जिसके चलते वाहन चालक सड़क किनारे ही अपने वाहनों को खड़ा करने से नही चूकते है? इस सच्चाई को लेकर प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की जा रही है कि नगर के अमाणांग नकाा शांतिदूत तिरहा सहित इस मार्ग के ढाबो के सामने सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों पर अंकुश लगाया जावे जिससे किसी बड़ी घटना को घटित होने के पहले रोक लग सके, यदि समय रहते हुए प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

ब्राण्डेड कंपनी के मिलते जुलते सामानों की आई बहार, आमजन की जिन्दगी को बन रहा खतरा?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों की मांग खासी बढ़ गई है। क्योंकि खुले समान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आईएम की ओर आकर्षित होने से नही चुक पा रहे है, इसके चलते बाजार में नामी गिरामी कंपानियों की विभिन्न वैरायटी के प्रोडक्ट आ रहे है जो बच्चों से लेकर बड़ो तक की पसंद बन गए है। मगर गौर किया जावे तो बाजार में कंपनियों से मिलते जुलते ब्रांडों की भी बाढ आई हुई है, यह संहत पर क्या असर डालेंगे। इस बारे में न तो दुकानदार जान



रहा है और न ही खाद विभाग को इतनी फुर्सत है कि इनकी जांच करें? बस दुकानदार तो कमीशन अधिक होने के फेरे में इन्हे बेचने

में रुचि दिखाते हुए दिखाई दे रहे है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई देने लगी है? अक्सर देखा जाता है कि बिना आईएस आई मार्क के भी प्रोडक्ट मार्केट में खुलेआम बेचे जा रहे है जो हानि कारक बताये जाते है? मगर ग्राहकों की जागरूकता के अभाव के चलते एवं दुकानदार लाभच के चक्कर में असली की सूरत में नकली कंपानियों के समान बेचते हुए आसानी से दिखाई देते हुए जान पड़ रहे है..? एक्सपायरी डेट का उल्लेख नही होता है यदि इन समानों पर गौर किया जावे तो कई वस्तुओं पर तो इसके निर्माण की तिथि तक नहीं लिखी रहती और कई जगह एक्सपायरी डेट का समान विकते हुए भी देखा जाता है?

इन उत्पादों को शहर की गलियों सहित गांव गांव में बेचा जा रहा है और शहर सहित आसपास के कस्बों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों में लाखों का कारोबार होता है, वही अच्छी कंपनियों का कमीशन कम है और दुकानदारों की मांग के अनुरूप इसकी पूर्ति नहीं होती है। इस कारण बाजार में इन नामों से मिलते जुलते प्रोडक्ट की बाढ़ देखने मिल रही है? वही दूसरी ओर यदि प्रशासन की सक्रियता पर गौर किया जावे तो इनके द्वारा कभी कभार ही इस प्रकार की दुकानों का कभी कभार ही निरीक्षण किया जाता है वह भी मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के चलते इस प्रकार से गुणावत्ताहीन सामन की बिक्री करने वालों के हाँसेले बुलंद दिखाई दे रहे है?

बैंगलेस डे पर विद्यार्थियों ने बनाई मूर्ति एवं झंडे



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शनिवार को समीपस्थ ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में बालसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों से बैंगलेस डे की गतिविधियां संपन्न कराई गईं। इस दौरान विद्यार्थियों ने श्रावण माह के चलते मिट्टी से भागवान शिव एवं गणेश जी की मूर्तियां बनाई और सजाई। इसके अलावा हर घर तिरंगा अभियान के मद्देनजर तिरंगा झंडे एवं भारत माता, शहीद भगत सिंह, महात्मा गाँधी, सुभाष चंद्र बोस एवं मिसाइल मैन अब्दुल कलाम आजाद जी की पेंटिंग बनाई। इस अवसर पर मार्गदर्शी शिक्षक मधुसूदन पटेल ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार माह जुलाई से जनवरी तक कोई एक शनिवार को बैंगलेस डे मनाये जाने के निर्देश है। इसी क्रम में शनिवार को बैंगलेस डे की गतिविधियां कराई गईं। उक्त गतिविधियां संस्था के प्रधान पाठक दशरथ प्रसाद जाटव के मार्गदर्शन, शिक्षक विवेक नाईक, देवेंद्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर एवं अतिथि शिक्षक चंद्रभूषण नामदेव मौजूद रहे।

खुले पड़े शौचालयों की सच्चाई को नजर अंदाज किया जाना पड़ रहा है नारी

हरिभूमि न्यूज/सालीचोका। देश को स्वच्छ व स्वास्थ्य बनाने की सोच के चलते सरकार द्वारा शुरू की गई स्वच्छता की मुहिम के चलते जिस प्रकार से लगभग चार वर्ष पूर्व जिस प्रकार से जिले से लेकर ब्लाक स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा अपनी वाही वाही लूटने के लिए जिले को बाह शौच घोषित मुक्त कराये जाने की जो रामलीला की गई थी, उसको लेकर स्थानीय अखबारों द्वारा लगातार इस बात को उजागर किया जा रहा था कि जब लोगों के घरों में अभी तक शौचालयों का निर्माण हुआ ही नही है तो फिर आखिर में जिला बाह्शौच मुक्त घोषित कर कैसे दिया? मगर इस बात को लेकर न तो उस समय जिले के नेताओं द्वारा ध्यान दिया गया और न ही विपक्ष में बैठी हुई राजनीतिक पार्टियों द्वारा जिसका परिणाम यह हुआ कि जिला स्तर पर बैठे हुए अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार से अपनी वाही वाही लूटने के लिए संपूर्ण जिले को इस प्रकार से लगभग चार वर्ष पूर्व प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा बाह्शौच मुक्त घोषित कराते हुए सम्मान पाया गया था

भारत विकास परिषद की बैठक हुई आयोजित



स्वास्थ्य शिविर तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पूर्व प्रांत अध्यक्ष संजय तिवारी ने कहा कि भारत विकास परिषद सेवा, समर्पण, संस्कार और सहयोग की भावना के साथ समाजहित में कार्य करने वाला संगठन है। इस दौरान उन्होंने परिषद की गतिविधियों का विस्तार करने का आग्रह किया। बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष कमल साहू ने कहा कि मेरे कार्यकाल में परिषद की गतिविधियां संपादित कराई गईं एवं आशा है कि नई टीम अच्छा कार्य करेगी। बैठक में अमित पटेल,



राजेश गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। लंत में अध्यक्ष मधुसूदन पटेल ने आभार व्यक्त किया। बैठक मे वरिष्ठ प्रकरक अनिल गुप्ता, चंद्रमान पटेल, सेवानिवृत्त टीआई उमेश दुबे, शिरीष पुरोहित सहित अन्य अन्य लोग मौजूद थे।

खबर संक्षेप

पहली बारिश में बह गया

अमरकंटक बराती मार्ग का हिस्सा

अमरकंटक। अमरकंटक से बराती जाने वाले मुख्य मार्ग पर लाखों रुपये की लावारत से हाल ही में बनाई गई डुमर सड़क का एक हिस्सा पहली ही तेज बारिश में बह गया। सड़क का निर्माण करीब दो-तीन माह पहले ही कराया गया था।

पहली बारिश में सड़क के क्षतिग्रस्त होने से निर्माण गुणवत्ता को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है और जिम्मेदार एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार अमरकंटकद्वाराती मुख्य मार्ग पर सड़क निर्माण का कार्य नगर परिषद अमरकंटक द्वारा विधिवत टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से ठेकेदार से कराया गया था। निर्माण पूरा होने के कुछ ही समय बाद तेज बारिश में सड़क का हिस्सा बह जाने से निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, सड़क की मजबूती, जल निकासी व्यवस्था और तकनीकी मानकों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पहली बारिश ने खोल दी निर्माण की पोल-स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण पर सार्वजनिक धन खर्च किया गया है। ऐसे में यदि नई सड़क पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होकर बहने लगे तो यह गंभीर जांच का विषय है। नागरिकों ने सड़क निर्माण की तकनीकी जांच और गुणवत्ता परीक्षण कराने की मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि निर्माण के दौरान निश्वसित मापदंडों का पालन किया गया था या नहीं। सड़क का हिस्सा बह जाने से गामीणों, राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

क्षतिग्रस्त हिस्से पर दृष्टिना की आशंका भी बनी हुई है। लोगों ने प्रशासन और नगर परिषद से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्से की सुरक्षित तरीके से मरम्मत कराई जाए। नागरिकों ने यह भी मांग की है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। यदि निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही या निर्धारित मानकों की अनदेखी सामने आती है तो संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। पहली बारिश में ही नई सड़क के बह जाने की घटना ने अमरकंटक में सड़क निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि नगर परिषद और प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

मृत्युंजय आश्रम में गूंज रही श्रीराम कथा की अमृतधारा

अमरकंटक। प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के प्रमुख मृत्युंजय आश्रम में इन दिनों भगवान श्रीराम की भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। आश्रम परिसर में आयोजित नव दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, धर्म, मर्यादा, त्याग और संस्कारों का श्रवण कर रहे हैं। कथा स्थल पर मजनों, संगीतमय प्रस्तुतियों और श्रीराम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के इटावा-मैनपुरी क्षेत्र से पधारे कथा व्यास पंडित श्रीराम भाई महाराज कथा व्यास पीठ से श्रद्धालुओं को संगीतमय शैली में श्रीराम कथा का रसपान करा रहे हैं। कथा के दौरान उनके द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे प्रसंग श्रद्धालुओं की भावविभोर करने के साथ ही जीवन में धर्म, सत्य, संयम, सेवा और सदाचार अपनाने की प्रेरणा दे रहे हैं। श्रीराम कथा का शुभारंभ 5 अगस्त श्रुधुवा की श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी, अश्विनी नक्षत्र से हुआ है। नौ दिवसीय यह कथा 13 अगस्त गुरुवार को श्रावण शुक्ल प्रतिपदा, अश्लेषा नक्षत्र के अवसर पर पूर्ण होगी। समापन अवसर पर हवन, पूजन एवं अर्चन के साथ कथा भोज तथा बाह्यम भोज का आयोजन किया जाएगा। कथा के दौरान कथा व्यास पंडित श्रीराम भाई महाराज ने भगवान विष्णु के अवतार से जुड़े मनु-सतसुता प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। श्रीराम कथा के दौरान माता कौशल्या के चरित्र का भी अत्यंत मार्मिक एवं प्रेरणादायी वर्णन किया गया। कथा व्यास ने कहा कि माता कौशल्या का स्वभाव अत्यंत सौम्य था। वे विपरीत परिस्थितियों में भी अपना धैर्य और संतुलन नहीं खोती थीं। उनका जीवन भारतीय नारी के त्याग, ममता, सहनशीलता, धैर्य और मर्यादा का अद्भुत उदाहरण है। कथा व्यास ने श्रद्धालुओं से कहा कि जीवन में परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हो जाएं, मनुष्य को अपनी वाणी, व्यवहार और संस्कारों की सौम्यता नहीं छोड़नी चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना ही वास्तविक शक्ति है। माता कौशल्या का जीवन प्रत्येक व्यक्ति को कठिन समय में संयम और मर्यादा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कथा के क्रम में नैमिशारण्य की पवित्रता तथा भगवान श्रीराम की नवयात्रा से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का भी वर्णन किया गया। कथा व्यास ने संचित कर्म और प्रारब्ध कर्म की अवधारणा को भी विस्तार से समझाया।

नर्मदा उफान पर, जबलपुर से डिंडोरी का संपर्क पूरी तरह टूटा

पुलों के ऊपर से बह रहा पानी, मां नर्मदा और जोगीटकरिया पुल पर आवागमन बंद

डिंडोरी।

लगातार बारिश के बाद मां नर्मदा का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। डिंडोरी स्थित मां नर्मदा पुल और जोगीटकरिया पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण डिंडोरी का जबलपुर से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। दोनों पुलों पर आवागमन प्रभावित होने से लोगों की आवाजाही थम गई है। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। प्रशासन ने लोगों से पुल के ऊपर पानी के तेज बहाव के बीच आवागमन नहीं करने की सख्त अपील की है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया और पुलिस अधीक्षक आशीष खरे रविवार को मां नर्मदा पुल पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने मौके पर नदी के बड़े जलस्तर और पुल की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।
जबलपुर मार्ग पर थमी आवाजाही
नर्मदा नदी के बड़े जलस्तर के चलते पुल के ऊपर से पानी बहने लगा है। इसके कारण डिंडोरी-जबलपुर मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है और जबलपुर से जिले का सीधा सड़क संपर्क पूरी तरह प्रभावित हुआ है। पुल पर पानी का तेज बहाव होने के कारण किसी भी प्रकार की आवाजाही जोखिम भरी बनी हुई है।प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जलस्तर कम होने और पुल सुरक्षित होने के बाद ही आवागमन सामान्य होने की संभावना है।
जिला प्रशासन ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि पुल के ऊपर पानी बहने की स्थिति में पैदल या वाहन से पुल पार करने का प्रयास न करें। तेज बहाव के दौरान थोड़ी सी लापरवाही भी



गंभीर हादसे का कारण बन सकती है।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नदी के जलस्तर और दोनों पुलों की स्थिति पर



लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।



नदी और जलभराव वाले क्षेत्रों से रहें दूर

प्रशासन ने लोगों से नदी, पुल और जलभराव वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से ऐसे स्थानों से दूर रखने को कहा गया है। नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन एवं पुलिस के सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

एसपी ने भी जारी की अपील

पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे ने जिलेवासियों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि लगातार बारिश के कारण नर्मदा का जलस्तर बढ़ा हुआ है। ऐसे में नदी और पुलों के आसपास जाने से बचें। पुल के ऊपर पानी बहने की स्थिति में किसी भी परिस्थिति में उसे पार करने का प्रयास न करें।पुलिस और प्रशासन की टीमें स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

डिंडोरी में निकली तिरंगा यात्रा, सामूहिक वंदे मातरम् गायन से गूंजा शहर

डिंडोरी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को उत्कृष्ट विद्यालय मैदान डिंडोरी में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे सहित जिले के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। सभी ने उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा में संदे भागिता कर राष्ट्र भक्ति का संदेश दिया।तिरंगा यात्रा के दौरान शहर का वातावरण देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए नागरिकों ने पूरे उत्साह के साथ भारत माता के जयकारे लगाए। इस अवसर पर



उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को हर घर तिरंगा अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने तथा अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान जिलेवासियों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति

की भावना को मजबूत करने का संकल्प भी लिया।उल्लेखनीय है कि डिंडोरी जिले में हर घर तिरंगा अभियान 9 से 17 अगस्त 2026 तक चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जिले के प्रत्येक परिवार को राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना और नागरिकों में देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव एवं ध्वज के प्रति सम्मान की भावना की और मजबूत करना है।

बारिश में ढहा कच्चा मकान, मलबे में दबकर 7 वर्षीय बालक की मौत

डिंडोरी।
लगातार हो रही बारिश के बीच जिले के गाड़ासरई थाना क्षेत्र के ग्राम नटिया टोला में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। बारिश के कारण एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान के मलबे में दबने से 7 वर्षीय बालक राजा आमों, पिता विश्राम आमों की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया, वहीं पूरे गांव में शोक का माहौल है।बताया गया कि बारिश के दौरान कच्चा मकान अचानक ढह गया और बालक मलबे की चपेट में आ गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने मदद का प्रयास किया। घटना की जानकारी प्रशासन और पुलिस को दी गई, जिसके बाद संबंधित विभागों की टीम मौके पर पहुंची।
प्रशासनिक टीम ने किया घटनास्थल का निरीक्षण
घटना की सूचना मिलते ही राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घटना से संबंधित

नवोदय विद्यालय धमनगांव में टीबी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डिण्डोरी।
पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय धमनगांव, डिण्डोरी में तपेदिक (टीबी) के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इसके उन्मूलन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम यूनिट -4 एमपी सीटीआर, एनसीसी जबलपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सिद्धार्थ सुर्वे के संरक्षण, एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अमृता सिंह के मार्गदर्शन एवं विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अलका विध्वकर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला अस्पताल



डिण्डोरी के मुख्य तपेदिक अधिकारी डॉ. मनोज उरेती ने विद्यार्थियों को टीबी के प्रमुख लक्षण, बचाव के उपाय, उपचार तथा समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीबी एक उपचार योग्य बीमारी है। समय रहते बीमारी की पहचान कर नियमित रूप से उपचार लेने पर मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है।

इस दौरान विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने सक्रिय सहभागिता करते हुए टीबी से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे और विशेषज्ञ से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से टीबी के प्रति जागरूकता का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचाना भी रहा।कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम समन्वयक आनंद मोहरे एवं वरिष्ठ

उपचार पर्यवेक्षक छत्र विजय संयाम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर (एएनओ) चीफ ऑफिसर अनुपमा पी. सुंदरम ने किया।इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती संचिता बनर्जी, श्रीमती सुनीता गुप्ता, के.एल. महोबिया, डी.के. सोनकर सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्यान्ह भोजन से पहले हैंडपंप पर थालियां धोते दिखे बच्चे, स्कूल की व्यवस्था पर उठे सवाल

डिंडोरी। अमरपुर विकासखंड के ग्राम भैंसवाही स्थित एकीकृत माध्यमिक विद्यालय का एक वीडियो इन दिनों चर्चा में है। वीडियो में विद्यालय के छात्र-छात्राएं मध्यान्ह भोजन से पहले हैंडपंप पर अपनी थालियां धोते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद विद्यालय में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था और बच्चों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।वीडियो में कई बच्चे कतारबद्ध होकर हैंडपंप से पानी लेकर अपनी थालियां साफ करते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या विद्यालय में बच्चों के लिए भोजन से पहले थालियां साफ करने की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है? यदि व्यवस्था है तो बच्चों को स्वयं हैंडपंप पर थालियां धोने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है?स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि छोटे बच्चों से इस तरह थालियां धुलवाना विद्यालय की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़ा करता है। ग्रामीणों ने मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना संबंधित व्यवस्था की जिम्मेदारी है।वीडियो सामने आने के बाद अब यह मामला जांच का विषय बन गया है।

वीडियो कब का है, विद्यालय में मध्यान्ह भोजन की वास्तविक व्यवस्था क्या है और बच्चों को थालियां स्वयं क्यों धोनी पड़ रही हैं, इन सवालों का जवाब विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि व्यवस्था में लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।



अमरकंटक से पवित्र जल लेकर शहपुरा पहुंचे कांवड़िए, भगवान शिव का किया जलामिषेक

शहपुरा। श्रावण मास के पावन अवसर पर शहपुरा नगर के युवाओं ने अमरकंटक स्थित मां नर्मदा के उद्गम स्थल से पवित्र जल लेकर शहपुरा तक कांवड़ यात्रा निकाली। रविवार को कांवड़ियों का दल नगर पहुंचा, जहां नगरवासियों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया।कांवड़िए नगर भ्रमण करते हुए प्राचीन देवी मंडिया परिसर पहुंचे। यहां भगवान शिव की प्रतिमा का मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात अमरकंटक से लाए गए पवित्र नर्मदा जल से भगवान शिव का जलामिषेक किया गया। कांवड़ियों ने क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी नगर के युवाओं ने अमरकंटक से शहपुरा तक पैदल कांवड़ यात्रा पूरी की। यात्रा के दौरान श्रद्धालु धार्मिक उत्साह और आस्था से ओतप्रोत नजर आए। कांवड़ियों के नगर पहुंचने पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया और यात्रा में शामिल युवाओं का उत्साह बढ़ाया।कांवड़ यात्रा में रवीश साहू, अनुराग साहू, साहिल साहू, शिवम शिवदरे, गगन गुप्ता, गगन बंसकार, कान्हा अग्वाल, आवेश चौहान, अमय चौहान, संतोष झारिया, वासु साहू, बिट्टु साहू, करण उत्तराठे एवं अन्ना भाई सहित अन्य युवा शामिल रहे।कांवड़ यात्री और जलामिषेक के दौरान नगर का वातावरण भक्तिमय बना रह।



गाड़ासरई में लगा चक्का जाम



गाड़ासरई डिंडोरी जिले के गाड़ासरई में शनिवार की रात हुई तेज बारिश में स्थानीय लोगों को भारी परेशान होना पड़ा ।बारिश का पानी दुकानों में रात को भर गया जिससे लोगों काफी नुकसान उठाना पड़ा इस कारण लोगो का गुस्सा फूट पड़ा सभी लोगों ने मिलकर नेशनल हाइवे पर चक्का जाम कर दिया चक्का जाम के बाद सड़क के दोनों तरफ गाड़ियों की लम्बी कतार लग गई , चक्का जाम की जानकारी लगते ही एसडीएम अक्षय डिगरसे तहसीलदार भरत सिंग बट्टे गाड़ासरई पटवारी वसीम कुरेशी पहुँचे और गुस्साए लोगों को समझाइश दी और मौके पर तात्कालिक व्यवस्था बनाने आस्वाशन दिया और सुबह से व्यवस्था बनाने जुटे रहे वही सड़क निर्माण करने वाली कम्पनी के सहयोग से जेसीबी से पानी निकलने की व्यवस्था में शाम तक जुटे रहे वही गाड़ासरई की दुकानों में पानी भर जाने के कारण लोगो को लाखों का नुकसान पहुंचा और गुस्साए लोगों ने चार घण्टे से ज्यादा रोड जाम कर व्यवस्था बनाने में अड़े रहे।

खबर संक्षेप

पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला करने वाला आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

नरसिंहपुर। थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर क्षेत्रंतगत दिनांक 05.08.2026 को प्राथिया मीना ठाकुर पति प्रदीप ठाकुर, उम्र 40 वर्ष, निवासी बजरंग वाडं, नरसिंहपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसके पति प्रदीप ठाकुर ने जान से मारने की नiyत से उसके चेहरे, सिर एवं पैर पर कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई है। प्राथिया की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली नरसिंहपुर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना कारित कर फरार हो गया था आरोपी, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम गठितरू उक्त घटना को घटित कर आरोपी फरार हो गया था, आरोपी के पक़ार होने एवं घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर डॉ. ऋषिकेश मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया एवं एसडीओपी नरसिंहपुर मनोज गुप्ता के निर्देशन में विशेष पुलिस टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी हेतु निर्देश दिए गए थे।आरोपी की तलाश एवं गिरफ्तारी पुलिस टीम द्वारा लगातार पतारसी के दौरान खुशबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी छिंदवाड़ा बिज क्षेत्र में देखा गया है जो बाहर भागने की फिराक में है, सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित घेराबंदी कर वैद्य बाबू के बगीचा के पास से आरोपी प्रदीप उर्फ राधे ठाकुर पिता कृष्णा ठाकुर, उम्र 42 वर्ष, निवासी बजरंग वाडं नरसिंहपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी को अपने पास रखी पोटली में छिपाकर रखन स्वीकार किया। कार्रवाई में मुख्य भूमिका थाना प्रभारी गौरव चांद, थाना प्रभारी गाडरवारा अशोक चैहान की मुख्य भूमिका रही।

दूध एवं खाद्य पदार्थों में मिलावट पर सख्त कार्रवाई

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सारिका दुहे द्वारा गुरुवार एवं शुक्रवार को नरसिंहपुर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्टेशनगंज स्थित स्वस्तिक ट्रेडर्स से पतजलि गाय के घी का नमूना जांच हेतु लिया गया। इसी प्रकार सांकल रोड स्थित श्री आदिनाथ ट्रेडर्स पर निरीक्षण के दौरान संदेह के आधार पर धौलपुर फ्रेश गाय का घी (पैकड 500 एसएल) के कुल 21 लीटर, जिसकी कीमत 13 हजार 440 रुपये है, को जब्त किया गया। उक्त घी के दो नमूने जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादों के विरुद्ध सतत कार्रवाई जारी है।

हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत



नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन कैबिनेट मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग प्रहलाद सिंह पटेल ने रविवार को ग्राम आमांगवा बड़ा से अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर क्षेत्र में देशभक्ति अभियान के तहत करौली बाजार स्थित सिंहपुर चैराहा सोसायटी से सोनी धर्मशाला तक मध्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में रामस्नेही पाठक सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

डोमी का बीएसएनएल टॉवर बना शोभा की सुपारी



पड़ा हुआ है। लाखों रुपये की लागत से लगाया गया यह टॉवर केवल शोभा की सुपारी बनकर रह गया है। टॉवर बंद होने के कारण क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को बीएसएनएल की सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मजबूरी में गिजी दूरसंचार कंपनियों की सेवाएं लेने की किवश है। ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र सरकार दूरसंचार सेवाओं के विस्तार और डिजिटल भारत अभियान को गति देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। लेकिन डोमी में बीएसएनएल टॉवर बंद होने से इन योजनाओं का लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। टॉवर पर कोई कर्मचारी भी पदस्थ नहीं है।

नर्मदा भूमि

हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ पर निकली भव्य तिरंगा यात्रा तिरंगे के रंग में रंगा नरसिंहपुर गूंजे भारत माता के जयकारे



कैबिनेट मंत्री ने घर-घर पहुंचाया तिरंगा, नागरिकों से राष्ट्रध्वज फहराने की अपील

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय उत्सव की उमंग और देशभक्ति की भावना से रविवार को नरसिंहपुर शहर तिरंगे के रंग में रंग गया। सम्पूर्ण देश में 9 से 17 अगस्त तक चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' का जिले में भव्य तिरंगा यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। हाथों में तिरंगा लेकर निकले नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बना। भारत माता के जयकारों और राष्ट्रभक्ति के नारों से पूरा शहर गूंज उठा।

तिरंगा यात्रा में कैबिनेट मंत्रीप्रहलाद सिंह पटेल, विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल एवं महेंद्र नागेश, रामसनेही पाठक, कलेक्टर

श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. मीणा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। यह तिरंगा यात्रा मंडी चैराहा से जैन मंदिर तिराहा तक निकाली गई।

हाथों में तिरंगा, दिल में हिंदुस्तान- तिरंगा यात्रा कृषि उपज मंडी से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निर्धारित स्थल पर पहुंची। यात्रा के दौरान आगे बढ़ते प्रतिभागियों के हाथों में शान से लहराता तिरंगा और जुबां पर 'भारत माता की जय' एवं 'वंदे मातरम्' के जयघोष वातावरण को देशभक्ति से सराबोर करते रहे। तिरंगा यात्रा में शामिल हर वर्ग के लोगों के उत्साह और उमंग ने राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रप्रेम की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की।

जनप्रतिनिधियों से लेकर विद्यार्थियों तक ने बढ़ाया



उत्साह- तिरंगा यात्रा में नगर पालिका के पार्श्वदागण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी, खेल संगठनों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी, युवा तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर एक साथ कदम से कदम मिलाते जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी और युवा 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश देते नजर आए।

तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश- तिरंगा यात्रा के माध्यम से जिलेवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने नागरिकों से अपील की कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर देश के प्रति सम्मान और

गौरव की भावना को अभिव्यक्त करें। ष्टर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 9 से 17 अगस्त तक जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को अभियान से जोड़ा जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में तिरंगे के प्रति सम्मान, राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति गौरव की भावना को और मजबूत करना है। इस अवसर पर श्री पटेल ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ष्टर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की गई थी, जो आज भी सतत रूप से जारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का स्पष्ट संदेश है कि यह अभियान हर समाज, हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए। अभियान के अंतर्गत आयोजित रैलियों एवं कार्यक्रमों में देश के प्रत्येक नागरिक- चाहे वह किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो- को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

स्वास्थ्य शिविर में 46 ने किया स्वेच्छिक रक्तदान,



नरसिंहपुर। जस्ूरतमंदों की जिंदगी बचाने के लिए रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने स्वयं रक्तदान किया। उन्होंने शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के लिए नरसिंहपुर कलेक्ट्रेट में आयोजित

स्वेच्छिक रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर में रक्तदान करने के साथ अपना स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया। कलेक्टर की इस पहल ने शिविर में रक्तदान करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाया। इस शिविर में 46 शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों ने स्वेच्छिक रक्तदान किया। एडिशनल सीडिओ उदय प्रताप सिंह ने भी रक्तदान किया। इस दौरान कलेक्टर एवं सीडिओ जिला पंचायत ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। शिविर में रक्तदान के साथ अधिकारी-कर्मचारियों के स्वास्थ्य की भी जांच की गई। कुल 180 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जबकि विभिन्न जांचों के लिए 52 लोगों के रक्त नमूने लिए गए। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक परामर्श भी दिया गया। शिविर में सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजकुमार चैधरी सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं विभिन्न जांच संबंधी सेवाएं प्रदान कीं। कलेक्टर ने रक्तदान करने वाले सभी अधिकारी-कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान किसी जस्ूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम है। यह मानव सेवा का ऐसा पुनीत कार्य है, जिसमें प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को आगे आकर अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

जिला युवा कांग्रेस द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया

कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया

नरसिंहपुर। भारतीय युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर जिला युवा कांग्रेस द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय में बैठक कर स्थापना दिवस मनाया गया एवं रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत युवा कांग्रेस के ध्वज वंदन के साथ हुई, जिसके पश्चात युवा साथियों ने रक्तदान कर समाजसेवा का संदेश दिया। वरिष्ठ नेताओं ने युवा कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने, युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठन को बृ्ध स्तर तक मजबूत करने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का मार्गदर्शन दिया। इस दौरान जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विवेक पटेल ने युवा कांग्रेस के गठन और उसके बाद पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुनील



जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, डॉ. संजीव चौंदारकर, विजय आजाद, अजय मालवीय, देवेन्द्र शुक्ला, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण अध्यक्ष धनीराम पटेल, शहर अध्यक्ष रोहित पटेल, सेवादल जिला अध्यक्ष अतुल चैरसिया, जनपद उपाध्यक्ष कनछेदी पटेल, पार्श्व अस्सु नेमा, सहित जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन की और अधिक मजबूत बनाने तथा जनहित एवं समाजसेवा के लिए निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

पिछले दो दिनों से हो रही जोरदार बारिश के चलते क्षेत्र के नदी नाले उफान पर



तेंदूखेड़ा। पिछले दो दिनों से हो रही जोरदार बारिश के कारण तेंदूखेड़ा से बरमान जाने वाले सड़क मार्ग पर डोभी के समीप पांडाझिर नदी में बाढ़ होने के कारण पुल डूब जाने से बरमान तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग बंद हो गया है। वहीं सुआतला बिलहरा मार्ग पर भी नदी का जल स्तर बढ़ने से नागरिकों की सुरक्षा हेतु मार्ग पर प्रशासन ने बैरिकेडिंग कर आवागमन रोक दिया गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी नदी नाले उफान पर बनें हुई हैं।आम जनजीवन भी अस्त-व्यस्त बना हुआ है।

किसानों को चेहरों पर खुशी फसलों को मौला जीवन गौरतलब रहे कि मानसून के बाद

काफ़ी लंबे समय बाद यह बारिस हुई है। किसानों ने खेतों में धान मक्का अरहर सोयाबीन फसल की बोनी करके आशा लगाई थी कि जल्दी ही बारिस होगी। बारिस ना होने के कारण किसान प्थित नजर आ रहे थे।खेत फटने लगे थे। फसलें पानी मांग रहीं थीं। फसलों में कीटों का प्रभाव बढ़ता चला जा रहा था।रोपण होने के बाद धान को और अरहर सोयाबीन मक्का फसल को भी पानी की नितांत आवश्यकता बनीं हुई थी। जुलाई माह पूरी तरह से सूखी जाने से फसलें भी ग्रोथ नहीं कर पा रही थी। लेकिन अगस्त माह में एक आशा की किरण जागी और शुक्रवार से शुरू हुई बारिस से खेतों को पानी मिलने से फसलों को

जीवन मिला है। और किसानों के चेहरों पर भी खुशी देखने को मिली है।

पहली बार उफनायें नदी नाले

गौरतलब रहे कि इस खरीफ सीजन में शायद यह पहला मौका है जब पहली बार नदी नाले उफान पर आये हैं। और नदियों में बाढ़ देखने को मिली है। डोभी सड़क मार्ग बंद हुआ है। पिछले आंकड़े बताते हैं कि जून माह से जुलाई तक लगभग आठ बार मार्ग बंद हुआ था। चूंकि यह बारिस ही पर्याप्त नहीं है अभी और भी बारिस की जरूरत है पिछले साल की अपेक्षा इस समय में अभी में तक आधी ही बारिस हो सकी है।

NCC कैडेट्स को मिला ऐक प्रमोशनशूटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दो महिला कैडेट्स भी हुई सम्मानित



गोटेगांव। शासकीय सांदीपनी विद्यालय गोटेगांव में संचालित NCC टूंप के 13 सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स को भव्य कार्यक्रम में रैंक प्रमोशन देकर सम्मानित किया गया। ये सभी कैडेट्स जुलाई 2025 में NCC में भर्ती हुए थे और पिछले एक वर्ष से 1 NP बटालियन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।वर्षभर की विभिन्न गतिविधियों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कैडेट्स को उच्च पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई। गगन चौधरी को कंपनी सार्जेंट मेजर, जबकि कीर्ति चौधरी एवं प्राची कनेरिया को सार्जेंट बनाया गया। इसके अलावा अनुशासन एवं योग्यता के आधार पर पांच कैडेट्स को कॉर्पोरल तथा

पांच कैडेट्स को लांस कॉर्पोरल पद पर पदोन्नत किया गया।कार्यक्रम में NCC के 46 नवनियुक्त कैडेट्स का भी स्वागत किया गया। इसी दौरान शूटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन करने वाली महिला कैडेट्स प्राची मेहरा एवं प्राची कनेरिया को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया।रैंक के साथ बढ़ती है जिम्मेदारीNCC अधिकारी मनोज जैन ने पदोन्नत कैडेट्स को बधाई देते हुए कहा कि रैंक मिलना केवल सम्मान नहीं है, बल्कि इसके साथ बड़ी जिम्मेदारियां और नेतृत्व की भावना भी जुड़ी होती है। उन्होंने सभी कैडेट्स से अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में प्राचार्य एस.के. सिसोदिया, वरिष्ठ शिक्षक संजीव नाहर, पी.एस. पटेल सहित समस्त शाला स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने कैडेट्स की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम का संचालन नवपदोन्नत सार्जेंट कीर्ति चौधरी एवं लांस कॉर्पोरल नंदिनी विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

पिपरिया में स्कूल बैग वितरण एवं वृक्षारोपण

गोटेगांव। विधानसभा गोटेगांव के मुंगवाली मंडल अंतर्गत ग्राम पिपरिया में चौधरी शुभम साहू वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सामाजिक कार्यकम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक महेन्द्र नागेश एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने तथा उच्चजल मविष्य के लिए मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र के विकास की मजबूत आधारशिला है। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं अवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विधायक सहित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया।विधायक ने फाउंडेशन द्वारा शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

बारिश में भी नहीं रुके कदम: युवा जागरण पदयात्रा में उमड़ा सैलाब, नशा मुक्ति का संकल्प लेकर 10 किलोमीटर चले हजारों युवा, बोले- गोटेगांव बनेगा नशा मुक्त

गोटेगांव। युवाओं को नशे से दूर रखने, उनमें सकारात्मक चेतना का संचार करने तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण की दिशा में समर्पित करने के उद्देश्य से शुरू की गई 100 दिवसीय युवा जागरण पदयात्रा का शुभारंभ रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम से हुआ। प्रथम दिवस विद्यालय एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, सहयोग क्रीड़ा मंडल के युवा खिलाड़ियों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े युवाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।श्रीमती फलित सिंह पटेल के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में प्रारंभ हुई पदयात्रा करीब 10 किलोमीटर की दूरी तय कर ब्रह्मकुंड घाट, नर्मदा तट पहुंचकर संपन्न हुई।बारिश के बीच भी युवाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। हजारों छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने नशा मुक्ति के उद्घोष के साथ नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर समाज को नशे के दुष्परिणामों से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया।पदयात्रा में सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय, संदीपनी विद्यालय, इंदिरा कन्या शाला एवं रानी अवंती बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोटेगांव सहित सहयोग क्रीड़ा मंडल के युवा खिलाड़ी तथा क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े युवा सहभागी बने।श्रीमती फलित सिंह पटेल एवं सहयोग युवा समिति की ओर से पदयात्रा में शामिल सभी छात्र-छात्राओं, युवा खिलाड़ियों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सर्वसमाज के प्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों के युवा



साथियों तथा अभियान से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।श्रीमती फलित सिंह पटेल ने कहा कि समाज के बेहतर भविष्य के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। युवा शक्ति को नशे जैसी बुराई से दूर रक्कर अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और साध्मर्थ्य को राष्ट्र निर्माण में लगाना चाहिए। युवा जागृत होगा तो परिवार जागृत होगा, समाज जागृत होगा और राष्ट्र सशक्त बनेगा।उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा केवल पैदल चलने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि युवा चेतना, नशा मुक्ति और सामाजिक जागरण का जन-अभियान है। 100 दिनों तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं एवं नागरिकों को नशा मुक्ति के संकल्प से जोड़ना तथा प्रत्येक ग्राम एवं क्षेत्र में सकारात्मक युवा चेतना का वातावरण निर्मित करना है।आयोजन समिति ने प्रथम दिवस में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने वाले

शहर में सीवर लाइन की खुदाई से त्रस्त जनता, सड़क पर पड़ा मलबा बन रहा हादसों की वजह

नरसिंहपुर। पूरे शहर में जहां- तहां चल रही सीवर लाइन की खुदाई आम लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है। सड़कें खुदी पड़ी हैं, निकला हुआ मलबा हफ्तों, महीनों तक नहीं हटाया जाता। और इसी वजह से आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं। बरखात में भी जारी खुदाई, लोग परेशान - नगर में जगह-जगह सीवर लाइन डाली जा रही है। आरोप है कि बरखात के मौसम में भी काम बंद नहीं किया गया। खुदाई के बाद निकली मिट्टी, गिट्टी और पत्थर सड़क किनारे ऐसे ही छोड़ दिए जाते हैं। इससे पैदल चलने वालों और दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। सरस्वती विद्यालय को जाने वाले मार्ग पर भी खुदाई कर सड़क पर ही मलबा डाल दिया गया है। जिस कारण स्कूल के बच्चों सहित आने जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मलबा नहीं हटने से लग रही चोटें - स्थानीय लोगों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा छोड़ी गई सड़कों का मलबा समय पर नहीं हटाया जाता। कई जगहों पर यह मलबा लंबे समय तक पड़ा रहता है। इसी मलबे की वजह से फिसलकर लोग गिर रहे हैं और घायल हो रहे हैं। घरों के सामने मलबे का ढेर लगने से आवागमन भी बाधित हो रहा है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि सीवर लाइन के काम में बरती जा रही लापरवाही पर तुरंत रोक लगाई जाए। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। हालांकि इस मामले में अधिकारियों से कुछ भी बात करो उनसे जवाब नहीं मिलता। मगमानी का आलम बरसों से जारी है।



श्रावण सोमवार सोम प्रदोष और आर्द्र नक्षत्र का बना दुर्लभ महासंयोग

तेंदूखेड़ा। देवों के देव महादेव के प्रिय श्रावण मास के दौरान सोमवार के दिन प्रदोष वत का दुर्लभ संयोग बन जाए तो इसकी महिमा और भी अधिक फलदायी हो जाती है। जब त्रयोदशी तिथि सोमवार को पड़ती है। तो इसे सोम प्रदोष कहा जाता है। श्रावण सोमवार और प्रदोष का यह पावन मिलन शिव भक्तों के लिए भगवान मोलेनाथ की विशेष कृपा पाने का सबसे उत्तम अवसर है।इसरी के साथ शिव जी के प्रिय आर्द्र नक्षत्र का संयोग आज त्रिपेणी योग बना रहा है।जो शिवभक्तों के लिए अनंत गुना फलदायक माना जा रहा है। हमारे क्षेत्रीय विद्वान पौरोहित्य कर्मकांड स्नातक आचार्य वसुदेव वेदवाच्य पुराणचार्य व्याकरण एवं ज्योतिषाचार्य प्रमोद पौरोी ने बताया कि प्रदोष वत उसी दिन रखा जाता है जिस दिन सूर्यस्त के समय प्रदोष काल त्रयोदशी तिथि व्याप्त होती है।

सूर्यस्त के तुरंत बाद का समय प्रदोष काल कहलाता है। जब त्रयोदशी तिथि सोमवार और आर्द्र नक्षत्र एक साथ मिलते हैं तो आध्यात्मिक धार्मिक व ज्योतिषीय मतानुसार यह महत्वपूर्ण योग मानसिक शान्ति और चंद्र दोष से मुक्ति बहण दोष की शान्ति आदि की शान्ति के लिए उत्तम माना जाता है।वैदिक ज्योतिष में चंद्रमा को मन का कारक माना गया है। यदि कुंडली में चंद्र दोष बहण दोष या मन में बैचेनी रहती हो तो सोम प्रदोष का वत अमोघ औषधि की तरह काम करता है। *शिवजी की कृपा प्राप्ति के शास्त्र सम्मत प्रयोग* ज्योतिष रत्न प्रमोद पौरोी ने सोमप्रदोष पर विशेष प्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिन पति पत्नी के बीच अनबन या तनाव रहता है। उनके लिए यह वत रिश्तों में

प्रेम विश्वास और सामंजस्य बढ़ाने वाला माना गया है।पारिवारिक समृद्धि इस दिन की गई साधना से घर में सुख शान्ति आरोप्य और आर्थिक समृद्धि का वास होता है।सोम प्रदोष के दिन कच्चे दूध और जल से अभिषेक शाम के समय शिवलिंग पर तांबे के लोटे से जल और चांदी या पीतल के पात्र से कच्चा दूध अर्पित करें। इससे मानसिक तनाव दूर होता है। 108 बेलपत्रों पर सफेद वंदन से ॐ नमः शिवाय लिखकर शिवलिंग पर अर्पित करने से रुका हुआ धन और मनोवांछित फल प्राप्त होता है।शिवलिंग पर भस्म और शमी के पत्ते चढ़ाने से जीवन की कड़वाहट और राह में आ रही सभी बाधाएं समाप्त होती हैं। प्रदोष काल में घर के पास स्थित किसी शिवालय में या पीपल के वृक्ष के नीचे शुद्ध देसी घी का दीपक प्रचलित करें। इससे दरिद्रता का नाश होता है। मनुष्यों के सभी पाप पाप कष्ट होते हैं मानसिक शान्ति मिलती है आयु आरोप्यता की प्राप्ति मिलती है।जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। समस्त बाधाओं से निवृत्ति और सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है।सूर्य आदि चारों के अनुसार प्रदोष वत का फल सोमवार को होने वाला प्रदोष वत सोम प्रदोष मनोवांछित कामनाओं की पूर्ति व मन की शांति प्रदान करता है। मंगलवार का प्रदोष भीम प्रदोष कर्ज से मुक्ति रोग मुक्ति और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है। बुधवार को होने वाला प्रदोष सोम्य पदों

